14/03/24 पत्रावली पेश हुई। वादी वकील अनु०उप०। प्रतिवादीगण के सम्मन तामील/आदम तामील अप्राप्त इन्तजार होकर पत्रावली आइन्दा दिनांक 05/04/24 को पेश हो।

05/04/24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पूर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 07/06/24 को पेश हो।

07/06/24 पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है,मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 05/07/24 को पेश हो।

5/7/24 पत्रावली पेश हुई । पीठासीन अधिकारी दीगज कार्यो मे व्यस्त है,मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 26/7/24 को पेश हो।

26.07.24 पत्रावली पेश हुई। पीठासीन अधिकारी दिगज कार्यों में व्यस्त है, मिसल इल्तबा होकर पत्रावली पुर्व आदेशिकानुसार आईन्दा दिनांक 23.8.24 को पेश हो।

31/07/24 पत्रावली पेश हुई। वादी वकील एवं वादीगण स्वयं उप०। वादीगण वकील ने प्रार्थना पत्र बाबत पत्रावली तलब करने बाबत पेश कर निवेदन किया कि पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली जावें। वकील वादीगण के प्रार्थना पत्र पर पत्रावली आज पेशी तारीख पर ली गई। वकील वादीगण ने प्रार्थना पत्र बाबत दावा विड्रो करने बाबत पेश कर निवेदन किया कि उक्त अनवान प्रकरण में हम पक्षकारों के मध्य लोक अदालत की भावना से वादग्रस्त आराजी के आपसी सहमति से सुलह हो गया है।

भंवरा
मूलाराम
केशीराम
(वादी) वकील

हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुक्म की तामील में जारी हुए
अब उक्त आराजी ~~के आपसी [illegible]~~ का हमारे विवाद नही रहने से वाद में वादीगण कोई कार्यवाही नही चाहते है इसलिये उक्त अनवान के वाद को जरिये राजीनामा डिक्री फरमाया जावें। वकील वादीगण द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को न्यायहित में स्वीकार किया जाकर उक्त अनवान के वाद को जरिये राजीनामा डिक्री फरमाया जाता है। पत्रावली फैसल शुमार होकर दाखिल दफ्तर हो। रजिस्टर से कम हो।	